हरियाणा में स्वच्छता पखवाड़ा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (NDRI) ने **हरियाणा के करनाल ज़िले** में **स्वच्छता अभियान** की एक शृंखला आयोजित की।

- इसका उद्देश्य स्वच्छ और हरित भारत को बढ़ावा देते हुए **स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना था।**

मुख्य बिंदु

- **आयोजित गतिविधियाँ:**
- **जागरूकता कार्यक्रम:**
  - **छात्रों** को व्यक्तिगत, सामुदायिक और संस्थागत स्तर पर स्वच्छता बनाए रखने के बारे में शिक्षित किया गया।
  - अपशिष्ट को संपत्ति में बदलने तथा अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान करने पर प्रशिक्षण दिया गया।
- **स्वच्छता अभियान:**
  - कर्मचारियों ने संस्थान परिसर की सफाई की तथा पुराने रिकॉर्डों और खराब उपकरणों का निपटान किया।
  - **विशेष वृक्षारोपण अभियान** आयोजित किये गये।
- **अभियान और जागरूकता:**
  - एकल-उपयोग प्लास्टिक को हतोत्साहित करने के लिये अभियान चलाए गए।
  - पहल का ध्यान अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और आवासीय कॉलोनियों में कृषि, बागवानी **और** रसोई उद्यानों के लिये जल संचयन को बढ़ावा देने पर केंद्रित था।
- **गाँव की भागीदारी:**
  - 'मेरा गाँव मेरा गौरव' कार्यक्रम के तहत शामिल किये गए गाँवों में सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया।
  - सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये स्थानीय हस्तियों को शामिल करते हुए **नुक्कड़ नाटक (सड़क नाटक) प्रस्तुत किये गए।**
- **किसान दिवस मनाना:**
  - वैज्ञानिकों और छात्रों ने डाचर गाँव में किसान दिवस मनाया।
  - **किसानों को कृषि पद्धतियों में स्वच्छता** के व्यावहारिक समाधान पर केंद्रित **इंटरैक्टिव कार्यशालाओं** में आमंत्रित किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)

- इसकी स्थापना **16 जुलाई, 1929** को **सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के** तहत **एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी।**
- यह भारत सरकार के **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के** कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE) के अंतर्गत एक **स्वायत्त संगठन है।**
- इसका **मुख्यालय नई दिल्ली** में है। देश भर में विस्तृत 102 ICAR संस्थानों और 71 कृषि विश्वविद्यालयों के साथ यह दुनिया की सबसे बड़ी राष्ट्रीय कृषि प्रणालियों में से एक है।
- यह पूरे देश में बागवानी, मत्स्य पालन और पशु विज्ञान सहित कृषि में अनुसंधान और शिक्षा के समन्वय, मार्गदर्शन और प्रबंधन के लिये **सर्वोच्च निकाय है।**

मेरा गाँव मेरा गौरव

- यह योजना **वर्ष 2015 में शुरू की गई थी,** जिसका उद्देश्य **"प्रयोगशाला से भूमि" प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिये किसानों के साथ वैज्ञानिकों के सीधे संपर्क को बढ़ावा देना था।**
- इसमें **वैज्ञानिकों को अपनी सुविधा के अनुसार गाँवों का चयन करने** तथा चयनित गाँवों के साथ संपर्क में रहने तथा किसानों को व्यक्तिगत दौरे या टेलीफोन के माध्यम द्वारा समय सीमा में कृषि के तकनीकी और अन्य संबंधित पहलुओं पर जानकारी प्रदान करने की परिकल्पना की गई है।
- वे कृषि विज्ञान केंद्रों (KVK) और **कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA)** की सहायता से कार्य कर सकते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/swachhata-pakhwada-in-haryana